हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, गुरुवार, 30 जनवरी 2025

तापमान
अधिकतम 25.3 डिग्री
न्यूनतम 4.3 डिग्री

9 सुंदरकांड से भगवान राम और हनुमान प्रसन्न होते...

10 नागरिकों को पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल मुहैया ...

शहर में आज

- हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष इंजि. कृष्ण कुमार रोहतक में सफाई कर्मचारियों से करेंगे संवाद।
- लघु सचिवालय में उपायुक्त सनेंगे समाधान शिविर में समस्याएं।
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की मीटिंग।

जिला नगर योजनाकार की गांव भैयापुर में कार्रवाई से हड़कंप

अनाधिकृत कॉलोनियों पर चला पीला पंजा, 5 एकड़ में हो रही थी विकसित

- 12 डीपीसी, डब्ल्यूबीएम रोड नेटवर्क इंटरलॉकिंग टायल रोड नेटवर्क व एक चारदीवारी को गिराया गया
- नागरिक अनधिकृत कॉलोनी व निर्माण में निवेश न करें अपनी जमा पूंजी

जेसीबी मशीन कार्रवाई करती हुई

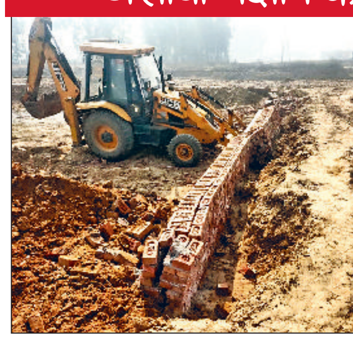

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला नगर योजनाकार द्वारा रोहतक नियन्त्रित एवं शहरी क्षेत्र में अवैध रूप से किये जा रहे निर्माणों व कॉलोनियों को गिराने के लिए अभियान चलाया गया। इस अभियान में गांव भैयापुर में लगभग पांच एकड़ में अनाधिकृत रूप से विकसित की जा रही तीन अवैध कॉलोनियों को तोड़ा गया। साथ ही 12 डीपीसी, डब्ल्यूबीएम रोड नेटवर्क, इंटर लोकिंग टाइल रोड नेटवर्क तथा एक चारदीवारी को गिराया गया। इस तोड़फोड़ के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात किए गए नायब तहसीलदार दीपक मौजूद रहे। जिला नगर योजनाकार कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी इस अभियान में शामिल रहे। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस बल तोड़-फोड़ अमले के साथ मौजूद रहा। लि नगर योजनाकार सुमनदीप ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने जीवन की पूंजी को अनाधिकृत निर्माण या डीलर व भू-मालिकों द्वारा काटी जा रही अवैध कालोनियों में निवेश न करें। समय-समय पर इस तरह की विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। नागरिकों का आह्वान कि है कि वे अपनी पूंजी को निवेश करने से पहले इस कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में आकर पूछताछ कर सकते हैं। उन्होंने बताया भविष्य में भी ऐसी जगहों पर तोड़फोड़ अभियान चलाए जाते रहेंगे।

कार्रवाई जारी रहेगी

जिला प्रशासन द्वारा जिला में अनाधिकृत निर्माण, कॉलोनी को पनपने नहीं दिया जाएगा। नियमित अंतराल पर तोड़-फोड़ अभियान चलाकर ऐसी कॉलोनी व निर्माण को नष्ट किया जाता है। गांव भैयापुर में पांच एकड़ भूमि में अनाधिकृत रूप से विकसित की जा रही तीन अवैध कॉलोनियों को तोड़ा गया। -**धीरेंद्र खड़गटा**, उपायुक्त

अनाधिकृत कब्जे हटाने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

रोहतक। जिलाधीश धीरेंद्र खड़गटा ने हरियाणा विकास शहरी प्राधिकरण के विभिन्न सेक्टरों में अनाधिकृत कब्जे हटाने के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के आदेश जारी किए गए हैं। धीरेंद्र खड़गटा द्वारा जारी आदेश के तहत हरियाणा विकास शहरी प्राधिकरण के सैक्टर 7-37 से अनाधिकृत कब्जे हटाने के लिए एचएसवीपी के एसडीई राजीव कुमार तथा सेक्टर 27-28-26पी 1 तथा सैक्टर 21पी एवं 21ए में अनाधिकृत कब्जे हटाने के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एचएसवीपी की होर्टिकल्चर डिविजन के एसडीई देवेंद्र कुमार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाया गया है। जारी आदेश के तहत पुलिस अधीक्षक द्वारा ड्यूटी मजिस्ट्रेट के साथ महिला पुलिस सहित पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा तथा पुलिस बल के प्रभारी निरंतर ड्यूटी मजिस्ट्रेट के संपर्क में रहेंगे।

रोहतक। सीएम फ्लाइंग की टीम राशन डिपो को सील करती हुई।

सीएम फ्लाइंग का राशन डिपो पर छापा, खामियां मिलने पर सील

पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सीएम फ्लाइंग की टीम ने बुधवार को गांव डोभ में राशन डिपो पर छापेमारी की। इस दौरान डिपो पर विभिन्न खामिया मिली है। जिसके कारण डिपो को सील किया गया है। साथ ही पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई गई। मुख्यमंत्री उड़नदस्ता रोहतक की टीम में निरीक्षक सुनीता वर्मा, उप निरीक्षक हरदेव खाद्य एंव पूर्ति विभाग रोहतक, प्रविन्द्र सांगवान नापतौल विभाग व मुकेश सरपंच गांव डोभ के साथ संयुक्त टीम बनाकर डोभ में सुरेश कुमार के राशन डिपो पर अनियमितता के सम्बन्ध में औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान हाजिरी में पीओएस मशीन के स्टॉक व डिपो के स्टॉक का मिलान करने पर रिकॉर्ड अनुसार गेहूं 73.700 किलोग्राम अधिक, चीनी 8.900 किलोग्राम अधिक व बाजरा 97.950 किलोग्राम कम मिला है। नापतौल विभाग द्वारा कांटे पर 20 किलोग्राम वजन रखकर चैक करने पर सही वजन से 1.100 किलोग्राम ज्यादा वजन हुआ।

डिपो धारक द्वारा कार्ड धारकों को राशन देते समय धोखाधड़ी की गई है। वहीं, डिपो धारक द्वारा कार्ड धारकों के अंगूठे लगवाकर राशन नहीं दिया गया। डिपो धारक सुरेश कुमार पर कार्ड धारकों को राशन तोलकर पूरा नहीं देकर, कांटे के तोल में हेरा-फेरी करने का आरोप है। मौका पर डिपो को सील किया गया है। साथ ही पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई गई है।

खबर संक्षेप

मदवि: 14-15 को कॅरियर कार्निवाल

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कॅरियर काउंसलिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल (सीसीपीसी) के तत्वावधान में 14-15 फरवरी को कॅरियर कार्निवल का आयोजन किया जाएगा। निदेशक सीसीपीसी प्रो. दिव्या मल्हान ने बताया कि इस कॅरियर कार्निवल में प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी। इस कार्नीवल के तहत लगभग 1500 पदों पर नियुक्तियां उपलब्ध होंगी। बुधवार को निदेशक सीसीपीसी प्रो. दिव्या मल्हान की अध्यक्षता में सीसीपीसी समन्वयकों तथा उप निदेशकों की बैठक हुई। बैठक में कॅरियर कार्निवल के आयोजन बारे गहन चर्चा हुई।

महा कुंभ में सांपला की महिला की मौत

सांपला। प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने गई सांपला की एक महिला की भगदड़ की चपेट करने से मौत हो गई। महिला का शव गुरुवार को सांपला पहुंचने की संभावना है। जानकारी के अनुसार, सांपला व आस पास के गांव से कई श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने गए हुए हैं। कई परिवार प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के स्नान करने गए हुए हैं। मंगलवार को संगम तट के पास मंगलवार की आधी रात को अज्ञात कारणों के चलते भगदड़ मच गई। मची भगदड़ में सांपला की महिला की चपेट में आने से मौत हो गई।। बताया जा रहा है कि गुरुवार को उनका शव सांपला पहुंचेगा। घटना से आस पास के लोगों में शोक की लहर फैल गई है।

3 विद्यार्थी स्टोर मैनेजर के पद पर चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कॅरियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में इमसॉर के तीन विद्यार्थियों का बतौर स्टोर मैनेजर चयन हुआ है। सीसीपीसी निदेशिका प्रो. दिव्या मल्हान ने बताया कि हाल ही में प्रतिष्ठित बिग बास्केट कंपनी ने एमडीयू में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विजिट की थी। इमसॉर के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न चरणों के बाद तीन विद्यार्थियों- सतेन्द्र, दीपक और रिंकू का चयन बतौर स्टोर मैनेजर हुआ है। प्रो. दिव्या मल्हान और इमसॉर निदेशक प्रो. सत्यवान बरोदा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सीसीपीसी उप निदेशक डा. अमन वशिष्ठ और डा. सौरभ कांत ने इस कार्यक्रम का समन्वयन किया।

नौकरी के नाम पर ठगे 13 लाख रुपये

रोहतक। गांव कहानौर की एक महिला से नौकरी का झांसा देकर 13 लाख रुपये की ठगी हुई है। गांव काहनौर निवासी पीड़िता सुरेश देवी ने बताया कि उसके दोनों बेटों ने दिल्ली पुलिस कॉन्स्टेबल का फॉर्म भरा था। इसी गांव के रहने वाले भूपेंद्र, रोहतक निवासी सुनील और राजेंद्र कॉलोनी भिवानी चुंगी रोहतक निवासी दर्शन दुआ उर्फ राजू दुआ ने उसे नौकरी दिलाने का भरोसा दिया और 13 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस को दी शिकातय में बताया कि बच्चों को नौकरी लगवाने के लिए राजू दुआ के घर 12 नवंबर 2023 को बैठक हुई। जिसमें सुनील व भुपेंद्र भी मौजूद थे। राजू दुआ व सुनील ने दिल्ली सरकार में मंत्रियों से अच्छी जान पहचान बताते हुए मंत्री कोटे से नौकरी लगवाने का झांसा दिया। पीड़ित सुरेश ने बताया कि आरोपियों की बातों में आकर 15 नवंबर 2023 को 7 लाख रुपये दर्शन दुआ के खाते में जमा करवाए। 11 दिसंबर को 15,000 रुपये दर्शन दुआ के बेटे के पास ट्रांसफर किए। बाद में भी पैसे दिए।

सीएम नायब सिंह सैनी कल आएंगे जाट संस्था में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जाट शिक्षण संस्था द्वारा 31 जनवरी को जाट कॉलेज में आयोजित होने वाले चौधरी छोटूराम के 144वें जन्मोत्सव समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पधार रहे हैं। जाट शिक्षण संस्था के प्रधान गुलाब सिंह दिमाना ने यह जानकारी दी। समारोह की तैयारियों का जायजा लेते हुए बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ अति विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रदेश के शिक्षामंत्री महिपाल ढांडा आएंगे। इस दौरान कई अतिविशिष्ट व विशिष्ट अतिथि भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने जाट शिक्षण संस्था में पधार रहे हैं। दिमाना ने चौधरी छोटूराम के 144वें जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर शिक्षण संस्था के स्कूल व कॉलेजों के प्रिंसिपल, स्टाफ सदस्यों, छोटूराम जन्मोत्सव समिति के पदाधिकारियों को कार्यक्रम को सफल बनाने के भी दिशा-निर्देश दिए।

तैयारियां शुरू

मोटरसाइकिल चोरी की वारदात में चार आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने बाइक चोरी की वारदात में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश करके जेल भेजा गया है। श्याम कॉलोनी निवासी मोहित की शिकायत के आधार पर आर्य नगर थाना में केस दर्ज करके जांच शुरू की गई थी। जांच में सामने आया कि 20 जनवरी को मोहित ने बाइक को सिविल अस्पताल में खड़ा किया था। 21 जनवरी को मोहित को अपनी बाइक नहीं मिली। जांच के दौरान 28 जनवरी को आरोपी रोहित, मनोज, सावन, निवासी भालौठ व रासिद निवासी उतर प्रदेश हाल गांव पाक्समा को गिरफ्तार किया गया है।

छात्र पर महिला के साथ कार्यस्थल पर उत्पीड़न का आरोप, एक केस रैगिंग का भी

छात्रों पर कार्रवाई की तैयारी में एमडीयू, प्रॉक्टोरियल बोर्ड में 11 मामलों की सुनवाई शुरू, आरोपी अधिकांश छात्र नेता

- आज तीन और शुक्रवार को 4 विद्यार्थी बोर्ड के सामने पेश होंगे

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) कई छात्रों पर कार्रवाई करने की तैयारी में है। इन छात्रों पर कई तरह के आरोप हैं। विद्यार्थियों पर एक्शन लेने से पूर्व प्रॉक्टोरियल बोर्ड इन सभी मामलों की सुनवाई करेगा। यानि छात्र अपने बचाव में प्रोक्टोरियल बोर्ड के समक्ष अपना पक्ष रख सकते हैं। बुधवार को चार मामलों की सुनवाई की गई। वीरवार को 3 और शुक्रवार को 4 छात्र बोर्ड के सामने पेश होंगे। एकाध छात्र पर तो महिला के साथ कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार करने तक का आरोप है। गत दिसंबर में विश्वविद्यालय में परिसर में चाकू चलाने की घटना का मामला भी बोर्ड के विचाराधीन है। यूनिवर्सिटी छात्रों पर जहां कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है, वहीं छात्र भी क्रिया पर प्रतिक्रिया जरूर देंगे। इसकी वजह है कि जिन-जिन छात्रों की बोर्ड सुनवाई कर रहा है, वे सभी स्टूडेंट लीडर हैं।

आज इन मामलों की होगी सुनवाई

वीरवार को पहले केस में तीन छात्र नेताओं का है। इनमें दीपक धनखड़, प्रदीप शर्मा और रवि रेढू शामिल हैं। इन सभी पर 7 फरवरी 2022 को विश्वविद्यालय सचिवालय में जबरदस्ती घुसने के आरोप हैं। गौरतलब है कि यूनिवर्सिटी ने साल 2022 में छात्रों के सचिवालय में घुसने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इस पर विरोध जताने के लिए ही ये तीन छात्र नेता सचिवालय में घुसे थे। दूसरा केस 25 जनवरी 2023 का है। इस दिन टैगोर ऑडिटोरियम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल भाषण दे रहे थे, इस दौरान छात्र नेता दीपक धनखड़ और उसकी सहयोगियों ने सीएम के सामने नारेबाजी शुरू कर दी। प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सामने बुधवार को तीसरा केस गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर के 15 फरवरी 2023 के पंडित नेकीराम शर्मा कॉलेज और राजकीय पीजी कॉलेज के कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा व्यवधान पैदा करने की सुनवाई करने को होगा।

दोषी छात्रों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होगी

दोषी छात्रों के साथ विश्वविद्यालय के प्रावधानों के मुताबिक सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। यूनिवर्सिटी में छात्रों और दूसरे समुदायों को पूरी सुरक्षा मिले, ये प्रशासन की ड्यूटी है। किसी भी छात्र को रियायत कतई नहीं मिलेगी। प्रॉक्टोरियल बोर्ड वीरवार और शुक्रवार को भी आरोपी छात्रों का पक्ष जानेगा। -**प्रो.राजेश पूनिया**, प्रॉक्टर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक

इन्होंने रखा अपना पक्ष

बोर्ड ने बुधवार दो बजे 29 सितंबर 2024 को लॉ डिपार्टमेंट हुई घटना को लेकर आरोपी छात्र का पक्ष जाना। इस केस की सुनवाई के बाद यूआईईटी के बीसीए छात्र संजेश सहरावत ने अपने सीनियर पर रैगिंग करने के आरोप लगाने के मामले में जांच-पड़ताल की। इमसॉर के एमबीए विद्यार्थी सागर मलिक ने उनका निलंबन रद्द करने का अनुरोध प्रॉक्टर बोर्ड से किया। चौथा और अंतिम मामला लॉ डिपार्टमेंट के दो छात्रों की बीच हुई मारपीट का था।

वर्ल्ड कैंसर डे
4 फरवरी-स्पेशल

पहचानें लक्षण-बरतें सावधानी
पॉसिबल है कैंसर ट्रीटमेंट

कैंसर का नाम सुनते ही आमतौर पर लोग घबरा जाते हैं। वास्तविकता यह है कि अगर समय रहते इसकी पहचान कर ली जाए, मेडिकेशन शुरू हो जाए तो कैंसर का ट्रीटमेंट पॉसिबल है। यहां यह जानना भी जरूरी है कि अपनी लाइफस्टाइल और डाइट हैबिट में अगर हम जरूरी सावधानी बरतें तो काफी हद तक कैंसर से बचे रह सकते हैं। इस बारे में यहां डिटेल में बता रहे हैं।

डॉक्टर एडवाइस
डॉ. वैभव चौधरी
ऑन्कोलॉजिस्ट
कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

- 10 मिलियन (1 करोड़) लोगों की बीते वर्ष 2024 में दुनिया भर में कैंसर से मौतें होने का अनुमान है।
- 80 फीसदी लोग दुनिया भर में ऐसे हैं, जिनका इलाज तब शुरू होता है, जब कैंसर लास्ट स्टेज (तीसरी या फिर चौथी अवस्था) में पहुंच चुका होता है।

(स्रोत- विश्व स्वास्थ्य संगठन)

अमेरिका स्थित हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के अनुसार, कैंसर तब शुरू होता है, जब कोशिका के डीएनए में कोई गड़बड़ी (म्यूटेशन) हो जाती है। कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से लगातार बढ़ती रहती हैं, जो कालांतर में कैंसर का कारण बनती हैं।

वैसे तो शरीर में कोशिकाओं के बनने और उनके मृत होने की प्रक्रिया चलती रहती है, लेकिन जब कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं तो इस स्थिति को कैंसर कहा जाता है। कोशिकाओं का अनियंत्रित रूप से बढ़ना शरीर के किसी भी भाग में हो सकता है। ये अनियंत्रित कोशिकाएं शरीर के किसी भी भाग या अंग में गांठ जैसा रूप अख्तियार कर लेती हैं। ऐसी अनियंत्रित कोशिकाओं को ही कैंसरस सेल्स कहा जाता है।

कैंसर होने के कारण

'दि न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन' में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार कैंसर का एक कारण अस्वास्थ्यकर जीवनशैली है। अस्वास्थ्यकर खान-पान और व्यायाम न करना कालांतर में कई प्रकार के कैंसरों को उत्पन्न कर सकता है। फास्ट फूड्स और अत्यधिक चिकनाई युक्त खाद्य पदार्थों में वसा अधिक मात्रा में होती है, इनमें विटामिंस और मिनरल्स नगण्य होते हैं। फास्ट फूड्स अकसर लेने से कब्ज, बदहजमी, गैस और पेट संबंधी अन्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं, जिनसे पेट के कैंसर (गैस्ट्रिक कैंसर) और बड़ी आंतों का कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है। इसके अलावा कैंसर के कुछ अन्य प्रमुख कारण हैं। जैसे धूम्रपान और तंबाकू का विभिन्न रूपों में सेवन। इनसे मुंह, जीभ, गले, भोजन नली (फूड पाइप), फेफड़े, पेट और मूत्राशय का कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। इसी तरह तले हुए अत्यधिक वसायुक्त खाद्य पदार्थों को ग्रहण करने से बड़ी आंतों का कैंसर होने का रिस्क बढ़ जाता है।

एक अरसे तक शराब पीने की लत लिवर और किडनी कैंसर का कारण बन सकती है। वहीं हानिकारक रासायनिक पदार्थों या उनके माहौल के संपर्क में आने से त्वचा का कैंसर होने की आशंका बढ़ जाती है। देश-दुनिया में बढ़ता वायु प्रदूषण भी चिंता का सबब बन रहा है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि बढ़ते वायु प्रदूषण से निकट भविष्य में फेफड़ों के कैंसर के मामले बढ़ सकते हैं।

कैंसर और साइकोट्रीटमेंट काउंसलिंग

कैंसर के इलाज में विभिन्न पहलुओं पर रोगी को परामर्श दिया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि कैंसर का पता चलने के बाद मरीज के हौसले अकसर पस्त हो जाते हैं और वह समझने लगता है कि अब उसकी जिंदगी में कुछ भी अच्छा नहीं रहा। यही नहीं कैंसर पीड़ित व्यक्ति के परिजन, उसके मित्र और शुभचिंतक तक भयभीत हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में मरीज और उसके परिजनों को परामर्श की जरूरत होती है। इस मनोचिकित्सकीय परामर्श के कई पहलू हैं। जैसे अचानक बीमारी का पता चलने के बाद मरीज को मानसिक स्तर पर बहुत बड़ा झटका लगता है। इस झटके से उबरने के लिए उसकी काउंसलिंग की जाती है। अनेक मरीज ऐसे होते हैं, जो कैंसर चिकित्सा के दौरान अपनी निराशाजनक सोच के चलते डिप्रेशन में चले जाते हैं। ऐसे लोगों को एंटीडिप्रेसेंट दवाएं दी जाती हैं। इसके अलावा कैंसर सपोर्ट ग्रुप्स से जुड़े लोगों की मदद से भी कैंसर पीड़ितों का मनोबल बढ़ता है। ऐसे ग्रुप में वे लोग शामिल होते हैं, जो विभिन्न प्रकार के कैंसरों से अपनी-अपनी लड़ाई जीत चुके हैं। इन सपोर्ट ग्रुप्स के लोग जब कैंसर पीड़ितों से बात करते हैं तो उनका हौसला बढ़ता है।

कैंसर के लक्षण

शरीर का जो भाग कैंसरग्रस्त होता है, उसी भाग से संबंधित समस्याएं लक्षणों के रूप में मरीज को पीड़ित करती हैं। जैसे अगर किसी व्यक्ति को गले का कैंसर है तो उसे किसी खाद्य पदार्थ को निगलने में दिक्कत महसूस होगी। यहां बताए जा रहे लक्षणों के दिखने या महसूस होने पर शीघ्र ही डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए।

- बिना किसी कारण के वजन घटना (6 महीने में 10% से अधिक) कैंसर की वजह से हो सकता है।
- किसी जख्म या घाव का लंबे समय तक न भरना।
- त्वचा के आंतरिक भाग में किसी गांठ का महसूस होना, जो तेजी से बढ़ रही हो (आमतौर पर महिलाओं के स्तनों में गांठ के मामले ज्यादा सामने आते हैं), शरीर के किसी भाग में सूजन होना और उस पर गांठें बनना, लेकिन इस संदर्भ में याद रखें कि हर गांठ कैंसरस नहीं होती है।
- खून की कमी (एनीमिया) से ग्रस्त होना।
- बिना किसी इंफेक्शन के बार-बार बुखार आना।
- काफी दिनों से शारीरिक रूप से असहज महसूस करना।
- मस्सों और तिलों में बदलाव होना या आकार बढ़ना।
- परिश्रम किए बगैर थकान और कमजोरी महसूस करना।
- लंबे समय तक सामान्य से कम भूख लगना।

डायग्नोसिस के तरीके

डॉक्टर मरीज की शारीरिक स्थिति और उसके लक्षणों के अनुसार कैंसर से संबंधित जांचें कराते हैं। रक्त परीक्षणों के जरिए कैंसर का शुरुआती स्टेज में पता चल सकता है। कैंसर से संबंधित अन्य जांचों में पीईटी सीटी स्कैन, एफएनएसी, बायोप्सी, एमआरआई आदि शुमार हैं।

कैंसर से बचाव के तरीके

अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुसार धूम्रपान और तंबाकू की लत छोड़ने पर फेफड़े और गले का कैंसर होने का खतरा लगभग 50 फीसदी कम हो जाता है। भारत में विभिन्न प्रकार के कैंसरों में 34% कैंसर पीड़ित धूम्रपान और तंबाकू की लत के शिकार हैं। इसलिए तंबाकू और इससे निर्मित अन्य उत्पादों और शराब आदि मादक पदार्थों का सेवन न करें। जंक फूड्स और अत्यधिक चिकनाई वाले खाद्य पदार्थों से परहेज करें। विटामिंस और फाइबर युक्त यानी रेशेदार आहार जैसे-हरी सब्जियां, फलों, साबुत अनाजों और दालों को भोजन में वरीयता दें, बार-बार गर्म किए तेल, घी या रिफाइंड ऑयल में बने खाद्य पदार्थों से परहेज करें। 'दि लैंसेट' मेडिकल मैगजीन में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार कैंसर से बचाव में खट्टे फलों जैसे संतरा, मौसंबी, नीबू आदि के अलावा लहसुन, अदरक, ब्रोकली और टमाटर का सेवन अत्यंत लाभप्रद हैं। वर्ल्ड ओबेसिटी फेडरेशन के अनुसार मोटापा कोशिकाओं में गड़बड़ी (म्यूटेशन) का एक कारण बन सकता है। इसलिए अपना वजन सामान्य रखें और किसी भी स्थिति में मोटापे को स्वयं पर हावी न होने दें। इसके लिए अपने डॉक्टर और फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श लेकर नियमित रूप से व्यायाम करें।

ट्रीटमेंट के प्रकार

कैंसर के उपचार में सर्जरी, रेडिएशन और कीमोथेरेपी को अपनाया जाता है। इलाज की अन्य आधुनिक तकनीकों में रोबोटिक सर्जरी, नवीनतम साइबरनाइफ और गामानाइफ आदि ने कैंसर चिकित्सा के क्षेत्र में काफी परिवर्तन कर दिया है। चिकित्सा की ये तकनीकें स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बगैर अत्यंत सुरक्षित हैं और कैंसर से होने वाली मृत्यु दर को कम करने में सहायक हैं। इसके अलावा टार्गेटेड थेरेपी और स्टेम सेल ट्रांसप्लांट आदि से भी कैंसर के इलाज को एक नया आयाम मिला है।

इंटेंसिटी मॉड्यूलेटेड रेडिएशन थेरेपी: आईएमआरटी नामक इस थेरेपी से कैंसर ग्रस्त भाग को रेडिएशन से हटा दिया जाता है। इस प्रक्रिया में कैंसरग्रस्त भाग के समीप स्थित स्वस्थ कोशिकाओं पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ता। इस थेरेपी का इस्तेमाल ब्रेन ट्यूमर और प्रोस्टेट कैंसर में हो रहा है।

टी कार सेल थेरेपी: इस थेरेपी में मरीज की टी कोशिकाओं के जरिए कैंसरग्रस्त कोशिकाओं को नष्ट किया जाता है।

इमेज गाइडेड रेडिएशन थेरेपी: इसे आईजीआरटी भी कहते हैं। कैंसरग्रस्त भाग का पता लगाने और उसका आकलन करने के बाद यह थेरेपी उस भाग को रेडिएशन से हटा देती है। फेफड़ों के कैंसर, पेट संबंधी कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर के इलाज में इस थेरेपी का इस्तेमाल हो रहा है।

जीन थेरेपी: कोशिकाओं में मौजूद जीन (जो डीएनए का एक भाग होता है) में गड़बड़ी के कारण कैंसरग्रस्त होने का खतरा बढ़ जाता है। जीन थेरेपी के अंतर्गत इसी गड़बड़ी को दूर करने का प्रयास किया जाता है। फिलहाल इस थेरेपी के संदर्भ में शोध और अध्ययन जारी हैं।

इम्यूनोथेरेपी: शरीर में किसी भी रोग का मुकाबला करने के लिए जो कोशिकाएं होती हैं, उन्हें प्रतिरक्षी सेल्स (इम्यून सेल्स) कहा जाता है। इन सेल्स के जरिए कैंसरग्रस्त कोशिकाओं के दुष्प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस थेरेपी के संदर्भ में दुनिया भर में शोध जारी हैं।

एंटीबॉडी-ड्रग कंजुगेट थेरेपी: यह कैंसर का ऐसा इलाज है, जिसमें टारगेटेड थेरेपी और कीमोथेरेपी का समन्वय एक साथ कर ट्रीटमेंट किया जाता है।

जल्द डायग्नोसिस है जरूरी

विख्यात मेडिकल जर्नल 'दि लैंसेट' के अनुसार कैंसर का निदान (डायग्नोज) करने में जितनी जल्दी की जाए, तो इससे मरीज के ठीक होने की संभावना उतनी ही बढ़ती जाती है। जैसे गले में स्थित स्वर यंत्र (वोकल कॉर्ड) के कैंसर का स्टेज 1 में पता लगने पर रेडियोथेरेपी से 95% मामले ठीक हो जाते हैं, स्टेज 2 में 70% और स्टेज 3 में 50% मामलों में पीड़ितों को इस बीमारी से छुटकारा मिल जाता है। कमोबेश उपरोक्त आंकड़े शुरुआती अवस्था में विभिन्न प्रकार के कैंसरों का पता चलने और उनके इलाज के संदर्भ में भी लागू किए जा सकते हैं। वैसे इस संदर्भ में एक बात याद रखनी चाहिए कि प्रत्येक व्यक्ति के शरीर के हर अंग की कार्यप्रणाली, कार्य शक्ति या उसकी संरचनात्मक विशेषताएं अलग-अलग होती हैं। इसलिए इस संदर्भ में किसी अंग विशेष के कैंसर और उससे पीड़ित मरीज के स्वस्थ होने के बारे में एक निश्चित जानकारी नहीं दी जा सकती। फिर भी पहली स्टेज और दूसरी स्टेज में कैंसर का इलाज संभव है, लेकिन इसका यह आशय न निकाला जाए कि तीसरी और चौथी अवस्था में पहुंचे लोगों को कैंसर से राहत या छुटकारा नहीं मिल सकता। *

प्रस्तुति:विवेक शुक्ला

आमतौर पर होने वाले कैंसर

कुछ प्रकार के कैंसरों के मामले महिलाओं में और कुछ पुरुषों में ज्यादा सामने आते हैं। जैसे महिलाओं में आमतौर पर स्तन कैंसर, गर्भाशय, अंडाशय (ओवरी) और गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर से संबंधित कहीं ज्यादा मामले सामने आते हैं। इसी तरह पुरुषों में फेफड़े का कैंसर, मुंह और गले के कैंसर के मामले ज्यादा सामने आते हैं।

फेफड़े का कैंसर: विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विभिन्न प्रकार के कैंसर से होने वाली मौतों में सबसे ज्यादा मौतें फेफड़ों के कैंसर से होती हैं।

कारण: फेफड़ों के कैंसर का मुख्य कारण धूम्रपान एवं तंबाकू का सेवन है। इसके अतिरिक्त जो लोग धूम्रपान करने वाले लोगों के संपर्क में आते हैं, उन्हें भी कालांतर में कैंसर हो सकता है। धूम्रपान करने वाले लोगों के निकट रहने वाले को पैसिव स्मोकर कहा जाता है। इसके अलावा जो लोग धुएं या गर्द वाले प्रदूषित क्षेत्र के संपर्क में रहते हैं, उन्हें भी फेफड़े का कैंसर हो सकता है।

लक्षण: फेफड़ों के कैंसर में लगभग 25 प्रतिशत लोगों में कोई लक्षण नहीं सामने आते हैं लेकिन कुछ लक्षण सामने आते हैं। जैसे- सांस लेने में तकलीफ, अकसर खांसी आना, सीने में घरघराहट, सीने में दर्द, खांसी या थूक में खून आना।

टेस्ट: छाती का एक्स-रे, एमआरआई, पैट सीटी स्कैन और सीटी स्कैन, ब्लड टेस्ट, यूरीन टेस्ट, बायोप्सी, ब्रॉन्कोस्कोपी से इसका पता चलता है।

उपचार: उपचार की विधि ट्यूमर के आकार, उसके स्थान और मरीज के स्वास्थ्य पर निर्भर करती है। उपचार के दो मुख्य रूप सर्जरी और विकिरण चिकित्सा है।

सर्जरी: प्रारंभिक लंग कैंसर का इलाज सर्जरी से किया जा सकता है। एक्सटर्नल-बीम रेडिएशन थेरेपी लंग्स कैंसर के इलाज में उत्साहवर्धक परिणाम दे रही है। कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी और टार्गेटेड थेरेपी उन मामलों में आवश्यक हो सकती है, जिनमें ट्यूमर फेफड़ों से अन्य अंगों में फैल जाए।

मुंह एवं गले का कैंसर: यह कैंसर दुनिया भर में होने वाले कैंसरों में छठे स्थान पर है। यह कैंसर हमारे मुंह से लेकर गले तक के हिस्से में होता है।

लक्षण: मुंह में किसी तरह का घाव, जो कई दिनों के बाद भी ठीक न हो रहा हो। किसी खाद्य पदार्थ को निगलने में परेशानी। खाना खाने में तकलीफ। दांतों का जीभ में लगना। आवाज में बदलाव। मुंह का कम खुलना। गले में किसी तरह की गांठ महसूस होना भी कैंसर का लक्षण हो सकता है।

कारण: तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट और अकसर शराब पीने वाले लोग इस कैंसर के अधिक शिकार होते हैं।

उपचार: मुंह और गले के कैंसर के बारे में अगर शुरुआती स्टेज में ही पता चल जाए तो बायोप्सी के बाद सर्जरी की जाती है। जब हमें इस बीमारी के बारे में दूसरी या तीसरी स्टेज में पता चलता है, तब कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी दी जाती है। मरीज की स्थिति के अनुसार डॉक्टर आगे के इलाज की प्रक्रिया सुनिश्चित करते हैं।

हेल्थ न्यूज

ब्रेस्ट कैंसर को पहचानेगा नया जेनेटिक मॉडल

भारत में तेजी से बढ़ रहे ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों के लिए हाल ही में विकसित एक नए मॉडल से राहत मिलने की उम्मीद जगी है। अमेरिकी शोधकर्ताओं की एक टीम ने स्तन कैंसर के लिए एक नया आनुवंशिक मॉडल विकसित किया है, जो वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद कर सकता है कि कैंसर क्यों और कहां फैलता है? अमेरिका में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एरन आंद्रचेक, ई2एफ5 जीन और ब्रेस्ट कैंसर के विकास में इसकी भूमिका पर शोध कर रहे हैं।

आंद्रेचेक की स्टडी में प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर कहा जा सकता है कि ई2एफ5 जीन के नष्ट होने से साइक्लिन डी 1 के विनियमन में बदलाव होता है। साइक्लिन डी 1, मेटास्टेटिक ब्रेस्ट ट्यूमर से जुड़ा एक प्रोटीन है। ऑन्कोजीन पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में यह भी दर्शाया गया है कि ब्रेस्ट ग्लैंड में ई2एफ5 को हटाने से ट्यूमर का निर्माण होता है। अध्ययन से निष्कर्ष निकलता है कि जैसे-जैसे वैज्ञानिक बेहतर ढंग से समझेंगे कि जीन स्तन कैंसर को कैसे प्रभावित करते हैं, वे यह भी जान सकेंगे कि कैंसर मेटास्टेसाइज क्यों होता है और कैंसर कहां फैलने की संभावना है? आंद्रेचेक के अनुसार, उनका माउस मॉडल आनुवंशिक रूप से तैयार मॉडल से अलग है। आनुवंशिक रूप से तैयार माउस मॉडल को इंजेक्शन के माध्यम से कृत्रिम रूप से बदला जा सकता है ताकि कैंसर कोशिकाओं को यकृत या मस्तिष्क जैसे अंगों में जाने के लिए मजबूर किया जा सके।

आंद्रेचेक बताते हैं कि इस मॉडल को लेकर हमारे इतने उत्साहित होने का एक कारण यह है कि यह मॉडल कुछ ऐसा करता है, जो अधिकांश आनुवंशिक माउस मॉडल ने कभी नहीं किया है। आंद्रेचेक के अनुसार, स्तन कैंसर सबसे अधिक बार लिंफ नोड्स हड्डियों या यकृत में फैलता है। आंद्रेचेक की प्रयोगशाला, ब्रेस्ट कैंसर के विकास और प्रगति में शामिल तंत्रों की जांच करने के लिए आनुवंशिक मॉडल के साथ-साथ बॉयोइंफॉर्मेटिक्स का भी उपयोग करती है। *

प्रस्तुति: अजेश कुमार

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब बार-बार हो सीने में दर्द

मेरी उम्र 49 वर्ष है। मैं वर्षों से स्मोकिंग कर रहा हूं। कुछ दिनों से मेरे सीने में रह-रहकर दर्द होता है और कफ में कभी-कभी रेड स्पॉट नजर आते हैं। कृपया बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-हितेश, कुरुक्षेत्र

आप अपनी परेशानी का कारण खुद ही बता रहे हैं। आपकी परेशानी सुनकर ऐसा लग रहा है कि चेस्ट में इंफेक्शन है, इसलिए आप बगैर देर किए जनरल फिजिशियन और अगर संभव है तो चेस्ट स्पेशलिस्ट से संपर्क करें। वह जांच कराएंगे, इसके बाद इस परेशानी का कारण पता चलेगा और उपचार किया सकेगा। फिलहाल आप स्मोकिंग बिल्कुल बंद कर दें।

मेरी उम्र 34 वर्ष है पिछले कुछ दिनों से कुछ भी खाते-पीते समय मेरे गले में दर्द होता है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हो रहा है और मेरी यह प्रॉब्लम कैसे ठीक होगी?

-मोहित, रायपुर

सर्दी के मौसम में कई बार टॉन्सिल की समस्या हो जाती है, जिससे कुछ भी खाने या गटकने में परेशानी महसूस होती है। इसलिए आप कोशिश करें कि सुबह और शाम गर्म पानी का गरारा करें और दिन में हल्का गुनगुना पानी पिएं। फ्रिज का रखा हुआ कोई भी ठंडा खाद्य न खाएं, न ही ठंडा पानी पिएं। इस तरह आपको आराम मिलेगा।

मेरी उम्र 47 वर्ष है। एक-डेढ़ महीने से मेरे सिर के पिछले हिस्से में रह-रहकर टीस होती रहती है। कई बार यह दर्द बहुत असहनीय हो जाता है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-सुशील, बिलासपुर

जैसा आप बता रहे हैं कि आपके सिर के पिछले हिस्से में टीस होती है और दर्द होता है, इसलिए बगैर जांच किए कोई भी उपचार नहीं किया जा सकता है। आप मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें। वे आपकी कुछ ब्रेन से संबंधित जांच कराएंगे, जिससे कारण पता चलेगा, लेकिन आप इस बात पर गौर करें कि यह समस्या नियमित रूप में होती है या कभी-कभी होती है और अगर कभी-कभी होती तो किन स्थितियों में होती है। इस पर भी गौर करें। इससे ट्रीटमेंट में मदद मिलेगी।

मेरी उम्र 27 वर्ष है। पिछले एक महीने में दो बार अचानक मेरे नाक से खून रिसने लगा फिर कुछ देर बाद बंद भी हो गया। ऐसा क्यों हो सकता है, यह कोई चिंता की बात तो नहीं?

-अंचित, दुर्ग

हालांकि इस तरह की समस्या गर्मी के मौसम में होती है लेकिन आप बता रहे हैं कि आपको इस तरह की प्रॉब्लम अभी हो रही है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि नाक में अंगुली डालने के बाद ऐसी समस्या आती है? क्योंकि कई बार नाक में खुजली करने से ऐसी समस्या आ जाती है। आप एक बार ईएनटी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लें। वे जांच से नाक से ब्लीडिंग के कारण का पता करेंगे फिर उसके अनुसार ट्रीटमेंट करेंगे।

मेरी उम्र 54 वर्ष है। मेरे पैर अकसर सुन्न हो जाते हैं। कुछ देर के लिए इसमें कोई संसेशन नहीं होता। कई बार इस वजह से चलने-फिरने में लड़खड़ाहट होती है। कृपया बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-रमेश चंद्र, महेंद्रगढ़

आपको मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए, क्योंकि जैसा आप बता रहे हैं कि कभी-कभी पैर सुन्न हो जाते हैं और तब लड़खड़ा जाते हैं। इसका मतलब नर्वस सिस्टम में कोई न कोई परेशानी आ रही है। इसलिए आप बगैर देर किए डॉक्टर से संपर्क करें। जांच के बाद इसका कारण पता चलेगा और फिर उपचार कराना होगा। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

बड़ी आसानी से उगने वाला और हर मौसम में हरा-भरा रहने वाले सदाबहार के पौधे में अनेक औषधीय गुण पाए जाते हैं। लेकिन इसका किसी भी प्रकार से सेवन करने से पहले आयुर्वेद विशेषज्ञ से परामर्श जरूरी है। इसके औषधीय गुणों के बारे में जानिए।

अनेक बीमारियों में कारगर सदाबहार

हर्बल जोन

रेखा देशराज

सदाबहार या सदाफूली भारत में सदियों से उगाई जाने वाली और कई रोगों के उपचार में इस्तेमाल होने वाली जड़ी-बूटी है। हिंदी में इसे सदाबहार कहते हैं, जबकि बांग्ला में नयनतारा, पंजाबी में रतनजोत, मलयालम में उषामलारि और तेलुगू में बिलागैन्नेस के नाम से इसे जानते हैं। बारहों महीने खिले रहने वाले फूलों का यह पौधा, जब जंगल में अपने आप उगता है तो झाड़ीनुमा शक्ल अख्तियार कर लेता है। पूरी दुनिया में इसकी 8 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से 7 प्रजातियां मेडागास्कर में और 8वीं यानी एक प्रजाति समूचे भारतीय उपमहाद्वीप में पाई जाती है। इसका वैज्ञानिक नाम केथारेंथस रोजस है।

होते हैं कई औषधीय गुण: सदाबहार में अनेक औषधीय गुण पाए जाते हैं। लेकिन उसके पहले यह जान लें कि इसकी पत्तियों, जड़ तथा डंठलों से निकलने वाला दूध विषैला होता है। हाल के सालों में इसमें मधुमेह, कैंसर, ब्लड प्रेशर, एंटीसेप्टिक,एंटीमाइक्रोबियल गुणों के कारण इसे संक्रमण जैसी समस्याओं के लिए बेहद कारगर पाया गया है। इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी औषधीय पौधे के रूप में मान्यता दी है। इस पौधे का गुण क्षारीय या एल्केलॉयड होता है। बीपी की समस्या के लिए इसकी पत्तियां और इसके पौधे के विभिन्न हिस्से बहुत कारगर होते हैं। जैसे खांसी, गले की खराश, फेफड़ों के संक्रमण आदि में भी यह बहुत कारगर होती है।

मधुमेह को रखे नियंत्रित : हाल के दशकों में मधुमेह के उपचार में कारगर होने की वजह से इसका महत्व बहुत बढ़ गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि सदाबहार में जो क्षारीय तत्व है, वह रक्त में शर्करा की मात्रा को नियंत्रित करता है। इसके इस गुण पर शोध के दौरान पाया गया कि यह सिर्फ मधुमेह में ही बहुत उपयोगी नहीं है बल्कि बहुत सारी बीमारियों के लिए यह बेहद उपयोगी जड़ी-बूटी है।

कैंसर के उपचार में सहायक: भारत के केंद्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान द्वारा इस पर किए गए शोध से पता चला है कि इसकी पत्तियों में 'विनिकरस्टीन' नामक क्षारीय पदार्थ पाया जाता है, जो कैंसर विशेषकर रक्त कैंसर के इलाज में बेहद उपयोगी होता है। इसलिए यह विषाक्त पौधा आज संजीवनी बन गया है।

त्वचा रोगों में कारगर: इसकी पत्तियां, फूल, टहनियां, जड़ें या कहें कि पौधे का हर हिस्सा शरीर पर होने वाले फोड़े, फुंसी, घाव आदि के लिए रामबाण की तरह होते हैं। इसलिए भारत में सदियों से फोडे-फुंसी जैसी समस्याओं पर इसकी पत्तियों और फूलों का लेप लगाया जाता रहा है।

सलाह के बाद ही करें सेवन: सदाबहार का किसी भी रोग में संतुलित मात्रा में ही सेवन करें और बेहतर यही है कि इसके इस्तेमाल से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर कर लें। बिना सलाह लिए इसका उपयोग खतरनाक हो सकता है।

गर्भवती महिलाओं और बच्चों को दूध पिलाने वाली महिलाओं को इससे दूर रहना चाहिए। छोटे बच्चे को भी इससे दूर रखना चाहिए वर्ना यह उनके लिए खतरनाक हो सकता है। *

खबर संक्षेप

विकास कार्यों में लाई जाए तेजी : धर्मेंद्र सिंह

रोहतक। नगर निगम आयुक्त धर्मेन्द्र सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निगम क्षेत्र में वर्तमान में चल रहे सभी विकास कार्यों का निरंतर निरीक्षण करें तथा कार्यों में गुणवता का विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही कार्यों को निर्धारित समयावधि में ही पूर्ण करवाया जाए। उन्होंने कहा कि अगर किसी कार्य में कोई लापरवाही मिलती है तो संबंधित ठेकेदार, एजेन्सी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तुरंत नोटिस जारी किया जाएग।

वॉलिंटियर्स को योग का अभ्यास करवाया

रोहतक। महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय में चल रहे पांच दिवसीय जिला स्तरीय कैंप के तीसरे दिन की शुरुआत ब्रिगेडियर एमएस हुड्डा के नेतृत्व में मेडिटेशन के साथ हुई। सभी वॉलिंटियर्स को योग का अभ्यास करवाया गया। डॉ. सोनिया दहिया ने सभी वॉलिंटियर्स को सूर्य नमस्कार करवाया एवं उससे होने वाले फायदे के बारे में अवगत कराया। इसके बाद सुनो नेहरू की पुकार के संयोजक जसमेर हुड्डा ने वॉलिंटियर्स को नेहरों के प्रदूषित होने से रोकने के एवं इस बारे में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

सफाई को लेकर आयोग के अध्यक्ष की बैठक आज

रोहतक। हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष इंजि. कृष्ण कुमार 30 जनवरी को सफाई कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को मिलने वाली सुविधाओं की समीक्षा करेंगे। आयोग के अध्यक्ष 30 जनवरी को सुबह 11:30 बजे पंडित बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, 12 बजे सफाई कर्मचारियों की समस्याएं सुनेंगे। साढे 12 बजे विश्वविद्यालय प्रशासन की बैठक लेंगे। दोपहर बाद 2 बजे सफाई कर्मचारी व ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की समस्याएं सुनेंगे तथा 3 बजे स्थानीय जिला विकास भवन के प्रथम तल पर स्थित डीआरडीए हॉल में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

शहर में नाकाबंदी कर वाहनों के काटे चालान

रोहतक। शहर की सुरक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट हो गई है। दर्जनों स्थानों पर नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग की जा रही है। नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के चालान किए जा रहे हैं। इस दौरान पुलिस टीम ने संदिग्ध जगहों को चिह्नित कर पुलिस ने सर्च व चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस की ओर शहर में नाकेबंदी कर वाहनों की चेकिंग कर अपराधियों पर नजर रखी जा रही है। असामाजिक तत्व व अपराधियों पर पुलिस द्वारा नजर रखी जा रही हैं।

संकट मोचन मंदिर का पांच दिवसीय 24वां वार्षिकोत्सव आयोजित

सुंदरकांड से भगवान राम और हनुमान प्रसन्न होते हैं : साध्वी

पाठ के समापन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया, सैकड़ों भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में ब्रह्मलीन गुरुमां साध्वी गायत्री की कृपा से 5 दिवसीय 24वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में बुधवार को सुबह हवन, वीर हनुमान की वैदिक मंत्रोच्चार संग पूजन के बाद सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। साध्वी मानेश्वरी ने सुंदरकांड पाठ के दोहे व चौपाइयों का गायन किया। पाठ के समापन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। पंडित अशोक शर्मा ने विधिनुसार मंत्रोच्चरण से पूजा अर्चना की। यह जानकारी सचिव गुलशन भाटिया ने दी। गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी ने बताया कि भक्तों ने हवन में आहूति की सामग्री डालकर व पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की मंगल कामनाएं की। उन्होंने बताया कि सुंदरकांड का पाठ करने से प्रभु श्रीराम और हनुमान प्रसन्न होते हैं और घर में सुख-शांति व धन में वृद्धि के साथ-साथ एकाग्रता और आत्मविश्वास बढ़ता है । साध्वी ने सुंदरकांड पाठ में भगवान हनुमान का लंका प्रस्थान, विभीषण से भेंट, सीता से भेंट करके उन्हें श्रीराम की मुद्रिका देना, अक्षय कुमार का वध, लंका दहन और लंका से वापसी जैसे घटनाक्रम का उल्लेख विस्तार से किया।

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर के 24वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य पर हवन यज्ञ में आहुति डलवाते गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी। फोटो : हरिभूमि

हिंदू धर्म में हवन का विशेष महत्व

साध्वी मानेश्वरी ने बताया कि हिंदू धर्म में हवन का विशेष महत्व है। किसी भी मांगलिक कार्य या फिर नए घर में प्रवेश करने से पहले हवन जरूर कराया जाता है। ऐसी मान्यता है कि किसी भी नए काम को शुरू करने से पहले अगर हवन करा लिया जाए तो उस काम में बाधा नहीं आती। हवन कराने से देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है और मानव के ग्रह दोष दूर होते हैं।

साध्वी मानेश्वरी देवी आज से करेंगी हनुमान कथा

30 जनवरी से 1 फरवरी तक प्रतिदिन गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी हनुमान कथा करेंगी। इस अवसर पर वीरवार को जरूरतमंद स्कूली बच्चों को स्टेशनरी व पुस्तक वितरित की जाएंगी। साथ ही निरक्षरों को साक्षर बनने के लिए जागरूक किया जाएगा।

भारत विकास परिषद युवा शाखा ने मनाया गणतंत्र दिवस

रोहतक। भारत विकास परिषद ने गणतंत्र दिवस सेक्टर एक के सरकारी स्कूल में बच्चों के साथ मनाया। विद्यार्थियों ने देश भक्ति गीत गए और देशभक्ति के गानों पर नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर सुनीता, युवा शाखा की तरफ से अध्यक्ष श्रेष्ठ मालिक, रेनू (सचिव), विक्रांत शर्मा (जिला समन्वयक), अक्षय गोयल, रमन मेहता, अतुल जैन, पंकज खटोड़, अमन गर्ग, योगेंद्र, गौरव मालिक, बिट्टू राणा, आशीष निझावन, अंजु गोयल, उमा मित्तल, पूजा सिंह, शिल्पी जैन आदि मौजूद रहे।

शिविर में एनएसएस का महत्व बताया

रोहतक। मॉडल स्कूल में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का उद्घाटन हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि मॉडल एजुकेशन सोसाइटी के सचिव राजेश कुमार सहगल रहे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर की शुरुआत की। इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा एनएसएस गीत प्रस्तुत किया गया। समृद्धि ने कर्तव्यनिष्ठा के साथ सामाजिक कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाने की शपथ दिलाई। राहिनी ने भाषण द्वारा सबको सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरुक किया। राजेश कुमार सहगल ने युवाओं के जीवन में एनएसएस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे हमें समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को समझने में मदद मिलती है। प्रधानाचार्या डॉ. अरुणा तनेजा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का स्वयंसेवक बनना गर्व की बात है। इससे भविष्य के स्वयंसेवक तैयार होते हैं। कार्यक्रम अधिकारी मंशा अहूजा ने शिविर के दौरान की जाने वाली गतिविधियों के बारे में बताया। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्या आशिता भांबरी सहित अन्य उपस्थित रहे।

समाचार पत्र दिवस पर छात्रों से संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

लोकतंत्र की मजबूती के लिए पत्रकारिता की अहम भूमिका है। समाज में समाचार पत्रों तथा पत्रकारिता के महत्व को रेखांकित करते हुए बुधवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में भारतीय समाचार पत्र दिवस के उपलक्ष्य में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार ने इस संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारत में समाचार पत्रों का इतिहास स्वतंत्रता संग्राम के साथ जुड़ा हुआ है। भारत के जाने-माने स्वतंत्रता सेनानियों ने खुद के अखबार निकाले, अखबारों का संपादन किया तथा आजादी की अलख जगाई। प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि पत्रकारिता सत्यमेव जयते के मंत्र को मुखरित करता है। प्रो. हरीश कुमार ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पत्रकारिता का विशेष उल्लेख इस संदर्भ में किया।

कार्यक्रम में सहायक प्रोफेसर सुनित मुखर्जी ने बताया कि 29 जनवरी 1780 को भारत में पहला समाचार पत्र- द बंगाल गजट प्रारंभ हुआ। इसका संपादन जेम्स ऑगस्टस हिकी ने किया। इस दिन को इसलिए भारतीय समाचार पत्र के रूप में मनाया जाता है। सुनित मुखर्जी ने वर्तमान में समाचार पत्रों के समक्ष चुनौतियों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। सहायक प्रोफेसर डा. नवीन कुमार ने कहा कि समाचार पत्र का अस्तित्व डिजिटल दौर में भी बना रहेगा। समाचार पत्रों के कलेवर तथा प्रस्तुतीकरण में परिवर्तन हो सकता है पर इसका महत्व बना रहेगा। कार्यक्रम संचालन शोधार्थी प्रिया ने किया।

अधिकार मित्र के लिए हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

- अधिकार मित्र नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में आम जनता को करें जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षा नीरजा कुलवंत कलसन के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में अधिकार मित्र के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ने अधिकार मित्रों को आम जनता की मदद करने बारे जानकारी दी। डॉ. तरन्नुम खान ने कहा कि अधिकार मित्र नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में भी आम जनता को जागरूक करें। आम जनता को किसी भी प्रकार की सहायता के लिए जिला विधिक प्राधिकरण के कार्यालय में संपर्क करने बारे भी जानकारी दें ताकि वे प्राधिकरण की विधिक सेवाओं का लाभ उठा सके। आम जनता प्राधिकरण की मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर सकते है या प्राधिकरण के कार्यालय में पहुंचकर इस बारे जानकारी हासिल कर सकते है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन आशुतोष शर्मा तथा पैनल अधिवक्ता शशिकांत ने सभी अधिकार मित्र को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में कार्य करने के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी दी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी डॉ. तरन्नुम खान ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रत्येक जिला में प्राधिकरण की सचिव की अध्यक्षता में बच्चों के लिए विधिक सेवा इकाई स्थापित की गई है। इस इकाई द्वारा विभिन्न संबंधित विभागों के साथ मिलकर बच्चों को जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस जागरूकता कार्यक्रम में दिव्यांग, किन्नर सहित बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों, कर्तव्यों, बाल श्रम, राज्य हेल्पलाइन नंबर, बाल विवाह तथा अन्य कानूनों व सामाजिक मुद्दों बारे जागरूक किया जाएगा। प्राधिकरण द्वारा जनवरी से मार्च 2025 तक त्रैमासिक जागरूकता कार्यक्रम जारी किए गए है तथा बच्चों के लिए गठित की गई विधिक सेवा ईकाई अर्थात एलएसयूसी के सदस्यों की ड्यूटी निर्धारित की गई है।

एसजेके कॉलेज में वैदिक मंत्रेच्चारण व हवन के साथ मनाया स्थापना दिवस

रोहतक। सत जींदा कल्याणा महाविद्यालय कलानौर में बुधवार को महाविद्यालय का 55वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर हवन यज्ञ में महाविद्यालय के संरक्षक श्रद्धेय महंत खुशहाल दास और प्रबंधन समिति के प्रधान व पूर्व राज्यसभा सांसद शादी लाल बत्तरा ने यज्ञकर्म में यजमान की भूमिका का निर्वहन किया। महंत ने सभी उपस्थित जन को अपना बहुमूल्य आशीर्वाद दिया और जीवन में उद्देश्य साधने के लिए प्रेरित किया। शादी लाल बत्तरा ने लगन, सोच, एकता एवं प्रतिबद्धता के साथ महाविद्यालय को नई ऊचाईयों की ओर ले जाने का संकल्प लेने की प्रेरणा दी। कॉलेज प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार ढुआ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और अपने संबोधन में कॉलेज की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं नीतियों से अवगत करवाया। डॉ. सतीश नरवाल ने विद्यार्थियों को आईएम पासिबल का अर्थ समझाते हुए परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया।

रोहतक। हवन यज्ञ में आहुति डालते महाविद्यालय के संरक्षक श्रद्धेय महंत खुशहाल दास और प्रबंधन समिति के प्रधान व पूर्व राज्यसभा सांसद शादी लाल बत्तरा ।

रोहतक। विजेता खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित करते प्रो. सेवा सिंह और खेल निदेशक प्रो. आरपी गर्ग। फोटो : हरिभूमि

जाट कॉलेज बना इंटर कॉलेज पुरुष बेसबॉल प्रतियोगिता चैंपियन, विजेताओं का सम्मान

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के खेल प्रांगण में आयोजित इंटर कालेज पुरुष बेसबॉल प्रतियोगिता का खिताब जाट कॉलेज रोहतक ने जीता। गौड़ कॉलेज रोहतक की टीम टीम दूसरे स्थान पर रही।जाट कॉलेज रोहतक ने गौड़ कॉलेज रोहतक को 3/1 से हराकर चैंपियन बने। तीसरे स्थान के लिए अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ ने यूटीडी को हराकर हासिल किया। बुधवार के फाइनल मैच का शुभारंभ एमडीयू के खेल निदेशक प्रोफेसर आरपी गर्ग ने किया।उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। विजेता खिलाड़ियों को प्रो. सेवा सिंह और खेल निदेशक प्रो. आरपी गर्ग मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मनीष सिंह, डॉ. प्रदीप श्योराण, डॉ. मनीष हुड्डा, नवीन, डॉ. जगबीर,योगेश ओर हिमांशु विशेष तौर से मौजूद रहे।

टीबी मरीजों के लिए बी पाल एम कार्यशाला का किया आयोजन

- बी पाल एम टीबी इलाज की है नई पद्धति
- नई पद्धति से टीबी का उपचार 6 महीने में हो सकेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा राज्य टीबी सेल ने जिला रोहतक में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन स्थानीय दादा लख्मीचंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स में किया गया। इस कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य राज्य स्तर पर प्रमाण सहित हुई एमडीआर बिगड़ी टीबी मरीजों में बी पाल एम की नई दवाइयों के उपयोग पर हुए अध्ययनों पर अनुभव सांझा करना है। हेल्प केयर प्रोवाइड्स व विभिन्न हितकारकों को निश्चय में हुए नवीनतम बदलावों व एमडीआर के प्रबंधन के दिशा निर्देशों के बारे में जानकारी देना भी है। विभिन्न जिलों तथा मेडिकल कॉलेज में बी पाल एम प्रणाली द्वारा एमडीआर टीबी मरीजों के उपचार के कंसोलिडेटेड प्लान पर चर्चा करना था। हरियाणा के स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. ब्रह्मदीप सिंह ने पीजीआईएमएस के एकेडमिक डीन डॉ. ध्रुव चौधरी, सिवल सर्जिन रोहतक डॉ. रमेश चंद्र एवं हरियाणा राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. हितेश वर्मा, उप सिवल सर्जिन क्षय रोग रोहतक डॉ. कुमारी इंदु के साथ इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वास्थ्य सेवा निदेशक ने कहा कि हम मिलकर एक बदलाव ला सकते हैं, क्योंकि हम टीबी के खिलाफ लडने के अपने प्रयासों को मजबूत कर रहे हैं। हम भारत के टीबी मुक्त राष्ट्र के दृष्टिकोण में भी योगदान दे रहे हैं। आइए हम सभी इस लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करें क्योंकि टीबी हारेगा और देश विजयी होगा।

शोषण और उत्पीड़न मुक्त समाज बनाएंगे: सुरेन्द्र सिंह मान

रोहतक। बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए नागरिक संगठनों के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के सहयोगी संगठन एमडीडी ऑफ इण्डिया ने धूमधाम से संगठन का स्थापना दिवस मनाया। बच्चों के खिलाफ अपराधों के खात्मे के लिए देश के 400 से भी ज्यादा जिलों में जमीनी स्तर पर काम कर रहे जेआरसी के 250 से भी ज्यादा सहयोगी संगठनों ने इस मौके पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर बाल अधिकारों के संरक्षण की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस मौके पर एक कार्यक्रम में एमडीडी ऑफ इण्डिया के राज्य प्रभारी एवं बाल अधिकार कार्यकर्ता सुरेन्द्र सिंह मान ने कहा कि हम सब मिलकर ऐसे भविष्य और दुनिया के निर्माण करेंगे जहां बच्चों के लिए अवसरों की कमी न हो और वे शोषण व उत्पीड़न से मुक्त हों। सुरेन्द्र सिंह मान ने कहा कि जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन ने बच्चों को यौन उत्पीड़न से बचाने में मात्र दो वर्षों में बेहद अहम भूमिका निभाई है और यह पूरे विश्व में बच्चों की कानूनी सुरक्षा के अग्रणी संगठन के तौर पर उभर कर सामने आया है। इस मौके पर बाल अधिकार कार्यकर्ता और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा, "अगर आज हम अपने बच्चों की सुरक्षा में विफल रहते हैं तो कल हम कुछ भी करें, वो बेमानी है।

60 लोगों के स्वास्थ्य की हुई जांच

रोहतक। अथर्व आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओर से वीटा प्लांट में एक फ्री मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। डायरेक्टर डॉ. संजीव मदान ने बताया कि हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. सुशील आर्य, मेडिसिन विभाग से डॉ. प्रिंस गिरोत्रा, आंख, कान नाक गले विभाग से डॉ. ममता, नेचुरोपैथी विभाग से डॉ. अमित ने कैंप में 60 रोगियों की निशुल्क जांच कर, उन्हें आयुर्वेद से बेहतर और निरोग जीवन यापन करने की सलाह दी। कैंप में बीपी, शुगर की जांच की गई, जिसमें डॉ. किरण, सीमा, अंजू, शिल्पा, प्रियंका, विक्रम उप्पल, सुमित ने सहयोग दिया। बीपी, शुगर पर नियंत्रण रखने के टिप्स दिए गए ताकि इनकी वजह से शरीर के और अंगों पर इनके दुष्प्रभाव से बचा जा सके। डॉ. संजीव मदान ने वीटा प्लांट की ओर से सीईओ चरण सिंह, राजेन्द्र भाटिया एवं एडम ब्लॉक के सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया ओरल कैंसर का इलाज

ओरल कैंसर पर जागरूकता जरूरी: डॉ. मित्तल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट आफ डेंटल साइंसिंज के ओरल मेडिसन विभाग द्वारा मनाए जा रहे ओरल कैंसर जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को संस्थान में कई जगह नुक्कड नाटक के माध्यम से व विद्याश्री स्कूल में व्याख्यान के माध्यम से ओरल कैंसर जैसी इस घातक बीमारी के बारे में जागरूक किया गया। बुधवार को ओपीडी में हुए नुक्कड नाटक का शुभारंभ मुख्यअतिथि के तौर पर उपस्थित चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने किया। इस अवसर पर उपस्थित संबोधित करते हुए चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने कहा कि ओरल कैंसर के प्रति जागरूकता की बहुत ज्यादा जरूरत है क्योंकि धूम्रपान करने से ही नहीं तंबाकू के धुंए से भी बीमारी होने का खतरा रहता है। उन्होंने बताया कि ओरल कैंसर मुंह के अंदरूनी हिस्से में होने वाला कैंसर है, जो आमतौर पर तंबाकू और शराब के सेवन से होता है। डॉ. कुंदन मित्तल ने बताया कि ओरल कैंसर के लक्षणों में मुख्य रूप से मुंह में दर्द, सूजन, रक्तस्राव और अन्य असामान्य बदलाव शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आज विद्यार्थियों ने नुक्कड नाटक के माध्यम से बताया कि ओरल कैंसर का इलाज जल्दी पता लगने पर संभव है, इसलिए नियमित जांच और स्वास्थ्य जांच का महत्व समझाया गया। डॉ. कुंदन ने कहा कि इस नुक्कड नाटक का मुख्य उद्देश्य आमजनता में ओरल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. अंबिका गुप्ता ने कहा कि इस व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य छात्रों के माध्यम से आमजन को ओरल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें इसके लक्षणों, कारणों और निवारण के तरीकों के बारे में जानकारी देना था। इस अवसर पर डॉ. अंबिका गुप्ता, डॉ. चीना, डॉ. लविना, डॉ. कोमल, डॉ. सुमन सहित दर्जनों प्रतिभागी उपस्थित थे।

रोहतक। नुक्कड नाटक के बाद विद्यार्थियों के साथ मुख्यअतिथि चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल व प्राचार्य डॉ. संजय तिवारी। फोटो : हरिभूमि

मुंह के कैंसर के बचाव बताए

डॉ. संजय तिवारी ने बताया कि पीजीआईडीएस में ओरल कैंसर का इलाज किया जाता है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है कि जनता को ओरल कैंसर के लक्षणों को पहचानना होगा और समय पर इसकी जांच करवानी होगी। उन्होंने कहा कि यदि हम समय पर कैंसर का इलाज नहीं करवाते तो यह जानलेवा साबित होता है। विद्याश्री स्कूल में डॉ. हरनीत सिंह ने व्याख्यान में छात्रों को ओरल कैंसर के लक्षणों के बारे में भी बताया गया, जिनमें इसके अलावा, व्याख्यान में ओरल कैंसर के निवारण के तरीकों पर भी चर्चा की गई, जिनमें तंबाकू और शराब का सेवन बंद करना, मुंह की नियमित स्वच्छता रखना और स्वस्थ आहार लेना शामिल हैं।

खबर संक्षेप

राजकीय महाविद्यालय में हवाई फायर, जांच जारी

सांपला। राजकीय महाविद्यालय में दोपहर को कॉलेज में परीक्षा देने आए छात्रों पर कुछ बदमाशों ने हमला कर हवाई फायर किया। घटना को लेकर कॉलेज में हड़कंप मच गया। तभी कॉलेज की तरफ से पुलिस को सूचना दी गई। सांपला पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि पुलिस अभी तक हवाई फायर से इंकार कर रही हैं। बताया गया कि कॉलेज में वार्षिक परीक्षाएं चल रही हैं। दोपहर छात्र परीक्षा देने के लिए कॉलेज पहुंच रहे थे। गाड़ियों में आए बदमाशों ने उन पर हमला किया तो बाइक गिर गई। जान बचाने के लिए छात्रों ने कॉलेज कैम्पस के साथ में झाड़ियों में छिपने का प्रयास किया। हमलावर वहीं पहुंचे और युवकों पर जान लेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

परिधान डिजाइनिंग विषय पर कार्यशाला आयोजित

रोहतक। राजकीय महाविद्यालय जसिया में महिला प्रकोष्ठ द्वारा परिधान डिजाइनिंग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस आयोजन में छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यशाला के प्रथम दिन डॉक्टर रितु हुड्डा, राजकीय महिला महाविद्यालय रोहतक, एसोसिएट प्रोफेसर, गृह विज्ञान विभाग द्वारा छात्राओं को कपड़ों को बांधना और रंगना सिखाया गया।

66 लोगों ने बटोरा रक्तदान का पुण्य

रोहतक। कमलेश सेवार्थ फाउंडेशन व श्री श्याम सेवा समिति द्वारा समाज सेवी नवीन जैन की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 66 लोगों ने रक्तदान किया। इस रक्तदान शिविर में एमटीएफसी संस्था के बच्चों ने भी योगदान दिया।

विद्यार्थियों को एनएसएस का महत्व बताया

रोहतक। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खिडवाली में बुधवार को सात दिवसीय एनएसएस कैंप का शुभारंभ हवन द्वारा किया गया। इस दौरान योगाभ्यास भी करवाया गया। स्वयंसेवकों ने अनुलोम विलोम व ओम का उच्चारण किया। प्राचार्या निताशा हुड्डा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

समाधान शिविर में डीसी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

नागरिकों को पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल मुहैया करवाना करें सुनिश्चित : उपायुक्त

खेड़ी साध के ऐतिहासिक दादा बड़ वाले के पास तालाब में पाइप लाइन से नहरी पानी उपलब्ध करवाने के लिए सिंचाई विभाग को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे गर्मी के मौसम के मद्देनजर नागरिकों को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल मुहैया करवाना सुनिश्चित करें। गर्मी के मौसम में नागरिकों के समक्ष पेयजल की समस्या नहीं बननी चाहिए। इसके साथ-साथ शहर में जहां भी सीवरेज लाइनें बाधित होने की समस्या है, उसको भी दुरुस्त किया जाए। सीवरेज और पेयजल लाइनों को समय रहते ठीक किया जाए। डीसी धीरेंद्र खड़गटा बुधवार को लघु सचिवालय के वीसी रूम में आयोजित समाधान शिविर के दौरान अधिकारी को जरुरी निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि नागरिकों को बिजली, पानी आदि मूलभूत सुविधाएं समय पर पर्याप्त मात्रा में मिलना जरुरी है। अधिकारी सुनिश्चित करें कि नागरिकों को प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के साथ-साथ बिजली पानी आदि मूलभूत सुविधाएं दी समय पर मिलनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आने वाली समस्याओं का समाधान स्थाई रूप से हो। एक ही समस्या के लिए नागरिकों को बार-बार कहना पड़े। यदि कोई समस्या मुख्यालय से फिर से खुलती है तो, इसका मतलब है कि अधिकारियों ने समस्या का स्थाई समाधान काम नहीं किया।

रोहतक। समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनते डीसी धीरेंद्र खड़गटा ।

गांव खेड़ी साध के किमसरी तालाब में पानी के लिए डाली जाएगी पेयजल लाइन

समाधान शिविर के दौरान गांव खेड़ी साध के निवासियों ने डीसी को बताया कि उनके गांव के ऐतिहासिक दादा बड़ वाले के पास किमसरी तालाब में पानी जाने का कोई रास्ता रास्ता नहीं है, उसमें केवल चौवे का पानी है। ग्रामीणों ने डीसी से इस तालाब में नहरी पानी डलवाने की गुहार की। इस पर डीसी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को पाइप लाइन डालकर तालाब में नहरी पानी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। इसके साथ डीसी ने जन स्वास्थ्य विभाग की अधिकारियों को निर्देश दिए की इस तालाब में ही एक टैंक बनाया जाए। इसमें पीने के पानी की भी व्यवस्था की जाए। नहर से आने वाले पानी को वहीं पर ट्रीट किया जाए।

26 शिकायतें हुई प्राप्त

समाधान शिविर के दौरान गांव डोभ निवासी जितेंद्र ने अपने परिवार पहचान पत्र में बेटी का नाम शामिल करवाने, मातो भैणी निवासी पुरुषोत्तम ने परिवार पहचान पत्र में आय कम करवाने, गांव मायना निवासी रोहतास ने उनके परिवार पहचान पत्र में दर्शाए गए अनजान व्यक्ति के नाम हटवाने, गांव शिमली निवासी यशवंती और रोहताश नगर निवासी दयाराम ने परिवार पहचान पत्र में आय कम करवाने के लिए आवेदन किया। गांव खेड़ी साध निवासी रणधीर व अन्य ग्रामीणों ने गांव में पेयजल पाइप लाइन डालने के अधर में पड़े कार्य को पूरा करवाने की मांग की। इसी प्रकार नागरिकों ने डीसी से प्लाट पर कब्जा दिलाने, गांव से अवैध कब्जा हटवाने, फिरनी को दुरुस्त करवाने आदि विभिन्न तरह की मांग रखी। समाधान शिविर में 26 समस्याएं प्राप्त हुई, जिनमें से मौके पर ही हल हो सकने वाली चार का मौके पर समाधान किया गया। शेष समस्याओं के समाधान के लिए डीसी ने जल्द से जल्द समयबद्ध ढंग से समाधान करने और पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश दिए।

सीईटी-2025 को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए करें प्रबंध

शिक्षण संस्थाओं के कमरों के खिड़की-दरवाजे करवाएं दुरुस्त

रोहतक। सामान्य प्रवेश परीक्षा के संदर्भ में सुपवा, पंडित बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेते उपायुक्त।

- शिक्षण संस्थाएं सीईटी के लिए संभावित परीक्षा केंद्रों की सूची करें तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने सुपवा, पंडित बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित करवाई जाने वाली सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) को शांतिपूर्ण ढंग से एवं नकलरहित संपन्न करवाने के लिए सभी प्रबंध करें। धीरेंद्र खड़गटा स्थानीय जिला विकास भवन स्थित डीआरडीए हॉल में सामान्य प्रवेश परीक्षा के संदर्भ में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी)-2025 का आयोजन करवाया जाएगा। उन्होंने बैठक में उपस्थित विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस परीक्षा के लिए संभावित परीक्षा केंद्रों की सूची उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों व स्कूलों के कक्षों के खिडक्की-दरवाजे दुरुस्त करवाएं तथा सीसीटीवी कैमरों को भी ठीक करवाएं ताकि सीईटी-2025 की लिखित परीक्षा को शांतिपूर्वक व पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाया जा सके। जिला प्रशासन द्वारा इस परीक्षा को शांतिपूर्ण व पारदर्शी ढंग से आयोजित करवाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे।

वीसी ने कर्नाटक यूनिवर्सिटी का भ्रमण करके आए छात्रों से किया इंटरेक्शन

- विद्यार्थियों से बेंगलुरु नॉर्थ यूनिवर्सिटी, कोलार से जुड़े उनके अनुभवों को जाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत बेंगलुरु नॉर्थ यूनिवर्सिटी कोलार कर्नाटक की विजिट करके वापस महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय लौटे विद्यार्थियों के दल से बुधवार को कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इंटरेक्शन किया। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने विद्यार्थियों से बेंगलुरु नॉर्थ यूनिवर्सिटी, कोलार से जुड़े उनके अनुभवों को जाना। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक एक्सपोजर मिलता है। इस अवसर पर डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. ए.एस. मान, कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा व डीन, सीडीसी प्रो विनीता हुड्डा भी उपस्थित रहे। यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम की निदेशिका प्रो. अंजू धीमान ने कुलपति को बताया कि स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत एमडीयू के 20 विद्यार्थियों के दल ने यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम के उप निदेशक डा. कर्मवीर श्योकंद व पर्यावरण विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका डा. गीता की अगुवाई में बेंगलुरु नॉर्थ यूनिवर्सिटी, कोलार, कर्नाटक की विजिट की और बेंगलुरू नॉर्थ यूनिवर्सिटी की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, शोध एवं खेल समेत अन्य गतिविधियों बारे जाना और वहां के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के साथ शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आदान प्रदान किया। इस प्रोग्राम के समापन सत्र में बतौर विशिष्ट अतिथि प्रो. अंजू धीमान भी शामिल हुए।

गैस सिलेंडर को लेकर लोगों को किया जागरूक

सांपला। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने बुधवार को हर घर- हर गृहिणी योजना के तहत लाभार्थी महिला व लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि गैस कनेक्शन धारकों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर रिफिल के लिए रजिस्ट्रेशन करवाना है। इस दौरान विभाग के इंस्पेक्टर पवन कुमार धनखड़ ने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से शुरू की गई हर घर-हर गृहिणी योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के तहत 500 रुपये में प्रतिवर्ष 12 गैस सिलेंडर पात्र परिवार प्राप्त कर रिफिल करा सकते हैं। इस योजना के तहत सब्सिडी की राशि पात्र व्यक्ति के खाते में सीधी ट्रांसफर होगी।

गांव को स्वच्छ बनाने में लोगों की भूमिका होती अहम : डॉ. वजीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान नीलोखेड़ी के निदेशक डॉ. वजीर सिंह ने बुधवार को अपनी टीम के साथ महम उपमंडल के गांव मदीना कोरसान का दौरा किया। उन्होंने यहां पर गांव में करवाए जा रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों से गांव को स्वच्छ बनाने में हर संभव सहयोग देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांव का विकास ग्रामीणों के ही हाथ में होता है। निदेशक डॉ. वजीर सिंह ने गांव में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत करवाई जा रही सफाई व्यवस्था, ठोस एवं कचरा प्रबंधन प्रोजेक्ट, डोर टू डोर कचरा उठाने की व्यवस्था, अमृत सरोवर तालाब, महिला चौपाल और गांव के पुराने कुओं का जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि गांव के विकास में सरकार के साथ-साथ ग्रामीणों का अहम योगदान होता है।

ग्रामीणों से किया आह्वान

निदेशक डॉ. वजीर सिंह ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया को सीखें ताकि वे अपने घर पर ही रसोई में बचे भोजन व तरल पदार्थ व घर के अन्य प्लास्टिक आदि कचरे के सामान को अलग-अलग कर सकें। इसके साथ ही उन्होंने पानी की बचत करने का भी आह्वान किया। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि पानी की एक-एक बूंद कीमती है, हमें पानी की बर्बादी को रोकना होगा। उन्होंने कहा कि नीलोखेड़ी स्थित हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान एक राज्य स्तरीय प्रशिक्षण संस्थान है, जिसका मुख्य उद्देश्य पंचायत विभाग के अधिकारी, कर्मचारी व पंचायतों के पंचायत समितियों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्रशिक्षण देना है।

विकास कार्यों की दी जानकारी

इस दौरान महम के एसडीएम दलबीर फौगाट ने अपने संबोधन के माध्यम से गांव मदीना कोरसान के साथ-साथ उपमंडल के अन्य गांवों में भी करवाए जा रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिला में उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा के निर्देशानुसार और अतिरिक्त उपायुक्त एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेंद्र कुमार की देखरेख में सरकार की विकासपरक योजनाओं के साथ-साथ स्वच्छ भारत मिशन के तहत जितने भी कार्य निर्धारित किए गए हैं, मुख्यालय के निर्देशानुसार उनको समयबद्घ ढंग से करवाया जाता है। कार्यों की गुणवत्ता के लिए समय-समय पर उनका निरीक्षण किया जाता है।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल में हुई चेस प्रतियोगिता

रोहतक। गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल में अंतर सदन चैस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा तीसरी से आठवीं तक के छात्रों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के आयोजक संदीप राठी व कृष्णा ने बताया कि बच्चों ने अपनी आयु वर्ग के अनुसार बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता दो चरणों में पूरी हुई। सम्राट, लविश, तानिष, सानिध्य, निमित हुड्डा, अनिरुद्ध ने प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान अयान, मेहान, मोहक, मुस्कान सिक्का, हिमानी, सान्वि ने तथा तृतीय स्थान भव्य, जनक, अक्ष, किया, हर्षित, मुस्कान गुलेरी ने हासिल किया। प्रधानाचार्या डॉ ममता मलिक ने सभी विजेताओं को बधाई दी और अन्य प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि चैस जुनून और प्रतिस्पर्धा का खेल है। चैस को एकाग्रचित होकर खेलना पड़ता है। इससे जीवन को सरल और प्रभावी तरीके से जीने के लिए एक सीख मिलती है कि कोई भी कार्य एकाग्रचित होकर किए बिना हमें उसमें सफलता प्राप्त नहीं होती। शतरंज ही एक ऐसा खेल है जिससे हमारी तार्किक, बौद्धिक और सोचने की शक्ति का विकास होता है और इससे खिलाड़ी शांति और धैर्य से काम लेना सीखता है। इस अवसर पर उपप्राचार्यामिशेंका, कोमल, जयदीप, कृष्णा, संदीप राठी आदि उपस्थित रहे।

आधुनिक भारत तक पर्यटन और आतिथ्य की विकास यात्रा को किया साझा

- इस क्षेत्र के भविष्य को आकार देने में स्थिरता पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। विद्यार्थियों के साथ संवाद करते जामिया मिलिया इस्लामिया के पर्यटन और होटल प्रबंधन विभाग के फाउंडर प्रो . सैयद इनायत जैदी।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट (आईएचटीएम) में बुधवार को जामिया मिलिया इस्लामिया के पर्यटन और होटल प्रबंधन विभाग के फाउंडर प्रो. सैयद इनायत जैदी ने बुधवार को विद्यार्थियों के साथ संवाद किया और प्राचीन भारत से लेकर आधुनिक भारत तक पर्यटन और आतिथ्य की विकास यात्रा को साझा किया। प्रो. जैदी ने भारतीय पर्यटन और आतिथ्य के गौरवशाली अतीत पर प्रकाश डालते हुए इस क्षेत्र के भविष्य के विकास के लिए एक रणनीतिक रोडमैप तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने खिचड़ी, भारतीय मसालों और वैश्विक पाककला में भारतीय व्यंजनों के ऐतिहासिक महत्व के को रेखांकित किया। प्रो. जैदी ने भारतीय स्वागत परंपरा में पान की भूमिका का दस्तावेजीकरण करने वाले प्रकाशित स्रोतों का हवाला देते हुए भारतीय आतिथ्य के साथ पान की महत्ता बारे भी बताया। उन्होंने आतिथ्य और पर्यटन में उभरते शोध रुझानों पर चर्चा की, और विद्वानों को अंतःविषय दृष्टिकोण और उद्योग-संचालित शोध का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस क्षेत्र के भविष्य को आकार देने में स्थिरता, डिजिटल परिवर्तन और सांस्कृतिक विरासत संरक्षण की भूमिका पर जोर दिया।

मांगों को लेकर बैठक की, 1 व 2 को विधायकों को देंगे मांग पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रिटायर्ड कर्मचारी संघ जिला रोहतक की कार्यकारिणी की बैठक रोडवेज यूनियन कार्यालय में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान जगपाल सांगवान व मंच संचालन सचिव ओमप्रकाश काद्यान ने किया। बैठक में चारों ब्लॉकों के प्रधान, सचिव के अलावा कार्यकारिणी के सदस्यों ने भाग लिया। राज्य कमेटी द्वारा किए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए जगपाल सांगवान, राज्य सचिव रामनिवास सैनी ने बताया कि रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों का पत्र हरियाणा के मुख्यमंत्री को भेजकर अनुरोध किया गया कि संघ के प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए बुलाकर लंबित मांगों का निपटारा किया जाए। मांगों के समाधान के लिए 1 व 2 फरवरी को विधायकों को मांग पत्र दिया जायगा।

ये हैं मांगे

उन्होंने कहा कि मुख्य मांगों में हरियाणा का स्वतंत्र वेतन आयोग का गठन किया जाए। कैशलैस मेडिकल सुविधा लागू की जाए, फैमिली पैंशनर को एलटीसी का लाभ दिया जाए, कम्युटेशन की कटौती 10 वर्ष 8 माह तक की जाए, वरिष्ठ नागरिकों से बस किराया 60 वर्ष की आयु से लिया जाए, टैक्स से छूट दी जाए, पुरानी पेंशन नीति बहाल की जाए, जनवरी 2020 से जून 2021 तक का महंगाई भत्ता का एरियर दिया जाना आदि।

ये रहे मौजूद

बैठक में राज्य सचिव रामनिवास सैनी, ओमप्रकाश काद्यान, अतर सिंह, रणबीर दहिया, जगपाल सांगवान, रमेश गिल, मास्टर सुनहरा, बुधराम, रामकुवार ब्लॉक महम, देवी प्रसाद शुक्ला ब्लॉक सांपला, बलबीर, रमेश गिल लाखनमाजरा ब्लॉक, प्रेम घिलोड़िया, खेमचन्द ब्लॉक रोहतक, कृष्ण श्योराण आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी होटल प्रबंधन संस्थान रोहतक में प्रवेश के लिए करेगा परीक्षा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

तिलयार लेक स्थित होटल प्रबंधन संस्थान में दाखिला लेने के लिए होने वाली परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी हो गया है। यह जानकारी देते हुए संस्थान के प्रिंसिपल इंचार्ज संजीब डे ने बताया कि भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के तहत नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (एनसीएचएमसीटी) देश में आतिथ्य और होटल प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में प्रमुख और सबसे बड़ी कंपनी है। एनसीएचएमसीटी के तहत, वर्तमान में कुल 95 होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम ब्रांड) संबद्ध हैं जिनमें से एक होटल प्रबंधन संस्थान रोहतक आतिथ्य और होटल प्रबंधन कार्यक्रम जैसे यूजी डिग्री, डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहा हैं। होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) रोहतक में इसके प्रमुख कार्यक्रम आतिथ्य और होटल प्रशासन में 3-वर्षीय बी एससी में प्रवेश के लिए, एनसीएचएमसीटी की ओर से, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) एनसीएचएमजेईई 2025 के नाम से संयुक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित कर रही है। इच्छुक उम्मीदवारों द्वारा पंजीकरण के लिए, एनटीए ने ऑनलाइन पोर्टल - https://exams.nta.ac.in/NCHM/की शुरुआत की है। रजिस्ट्रेशन के लिए काउंसिल की वेबसाइटwww.nchm.gov.inपर भी लॉग इन किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2025 है और परीक्षा की तिथि 27 अप्रैल 2025 है। एनसीएचएमजेईई 2025 में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों को योग्यता-सह-विकल्प के आधार पर आईएचएम आवंटित किया जाता है। इसके लिए, उम्मीदवारों को एनआईसी द्वारा आयोजित की जाने वाली ऑनलाइन काउंसलिंग के लिए पंजीकरण करना चाहिए, जिसका शेड्यूल उचित समय पर अधिसूचित किया जाएगा।

फैसला राज्य को अपने कर्मियों के प्रति उदार होना चाहिए न कि अमानवीय रवैया : हाई कोर्ट

ओपीडी में इलाज पर मेडिकल प्रतिपूर्ति से इनकार करना अवैध, सरकार की अपील हुई खारिज

हाई कोर्ट के आदेश से हजारों कर्मचारियों को मिलेगी राहत जिनका ओपीडी में होता है इलाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार की आलोचना करते हुए कहा है कि सरकारी कर्मचारी की पत्नी के क्रोनिक किडनी डिजीज के इलाज के लिए मेडिकल प्रतिपूर्ति से इनकार करना केवल इस आधार पर कि इलाज आउट पेशेंट डिपार्टमेंट में हुआ अविवेकपूर्ण वर्गीकरण है। हाईकोर्ट ने कहा कि संविधान में राज्य को कल्याणकारी राज्य कहा गया है। राज्य को अपने कर्मियों के प्रति उदार होना चाहिए, लेकिन इस मामले में सरकार ने अमानवीय रवैया अपना लिया है। चीफ जस्टिस शील नागु और जस्टिस सुधीर सिंह की खंडपीठ ने कहा कि जब किसी रोगी का इलाज डाक्टरों के विशेषज्ञ पर निर्भर करता है, तो उसे ओपीडी में किया गया इलाज बताकर खर्च की भरपाई से इनकार करना उचित नहीं है। खासकर जब बीमारी पुरानी हो और उसे लगातार इलाज की आवश्यकता हो।

रोहतक निवासी हरियाणा सरकार के एक कर्मचारी की पत्नी को 2014 से 2016 तक क्रोनिक किडनी डिजीज का इलाज मिला। इस दौरान दो बार आपातकालीन स्थिति में इलाज किया गया। हालांकि, सरकार ने यह कहते हुए मेडिकल खर्च की भरपाई से इनकार कर दिया कि ओपीडी में हुआ इलाज आपातकाल की श्रेणी में नहीं आता। इस पर संबंधित कर्मचारी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। सिंगल बेंच ने कर्मचारी के पक्ष में फैसला सुनाया और सरकार को निर्देश दिया कि वह मेडिकल खर्च की गणना कर उसका भुगतान करे। इस फैसले को चुनौती देते हुए हरियाणा सरकार ने अपील दायर की थी। हाई कोर्ट की डिविजन बेंच ने सरकार की अपील को खारिज करते हुए कहा कि क्रोनिक बीमारी के मरीजों को लगातार इलाज की जरूरत होती है। क्रोनिक किडनी डिजीज जैसी बीमारी से पीड़ित मरीज को दिल का दौरा या स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। कोर्ट ने कहा कि सरकार ने यह स्वीकार किया कि इलाज किसी स्वीकृत अस्पताल में हुआ था।

इसलिए केवल ओपीडी में इलाज होने के आधार पर मेडिकल प्रतिपूर्ति से इनकार करना अनुचित है। हरियाणा सरकार की मेडिकल प्रतिपूर्ति नीति के अनुसार, आपातकालीन स्थिति में अस्वीकृत अस्पताल में इलाज लेने पर ही खर्च की भरपाई नहीं की जा सकती। लेकिन इस मामले में मरीज ने स्वीकृत अस्पताल में इलाज करवाया था। कोर्ट ने कहा कि क्रॉनिक बीमारी वह स्थिति होती है जो लंबे समय तक बनी रहती है और पूरी तरह से ठीक नहीं होती। मरीज अन्य बीमारियों के भी ज्यादा खतरे में होता है। इस आधार पर कोर्ट ने हरियाणा सरकार की अपील खारिज करते हुए कोर्ट ने एकल बेंच के आदेश को बरकरार रखा। हाई कोर्ट के इस फैसले से हरियाणा के हजारों कर्मचारियों को राहत मिलेगी जो क्रॉनिक बीमारी का ओपीडी में इलाज करवाने पर प्रतिपूर्ति नहीं हो पाते ।